सत्य जो कभी नहीं बदलता

प्रकाशितवाक्य 13:
क्लेश में विश्वासयोग्य शेष लोग

3

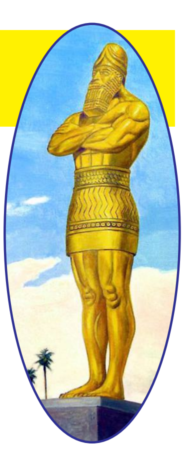

नबूकदनेस्सर राजा ने सोने की एक मूरत बनवाई, जिसकी ऊँचाई साठ हाथ, और चौड़ाई छः हाथ की थी। उसने उसको बाबुल के प्रान्त के दूरा नामक मैदान में खड़ा कराया। दानिय्येल 3:1

माना जाता है कि मूरत उस मूर्ति को प्रतिबिम्बित करती है जिसकी दानिय्येल ने व्याख्या की थी (दानिय्येल 2; निबंध 1 देखें), लेकिन वह राजा की समानता में थी और वास्तव में उसकी अपनी उपलब्धियों का महिमामंडन करती थी। जब हम प्रकाशितवाक्य को पढ़ते हैं तो दानिय्येल 3 की कहानी स्पष्ट हो जाती है। नबूकदनेस्सर उस आने वाले शक्तिशाली व्यक्ति के कई प्रकारों में से एक है जिसे हम मसीह-विरोधी कहते हैं। बाबुल महान विश्व साम्राज्य का अग्रदूत है जिस पर यह पाप का मनुष्य 'क्लेश काल' में शासन करेगा। (दानिय्येल 3:1) इस मूरत के आयामों में संख्या ६ की प्रमुखता पर ध्यान दें, जो साठ हाथ ऊँची, छः हाथ चौड़ी है!

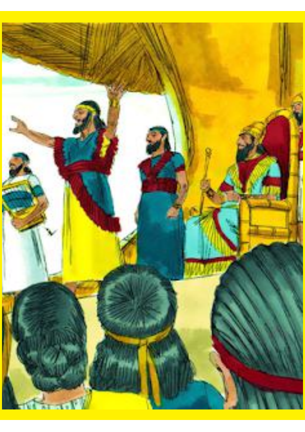

तब ढिंढोरिये ने ऊँचे शब्द से पुकारकर कहा, "हे देश–देश और जाति–जाति के लोगो, और भिन्न–भिन्न भाषा के बोलनेवालो, तुम को यह आज्ञा सुनाई जाती है कि, जिस समय तुम नरसिंगे, बाँसुली, वीणा, सारंगी, सितार, शहनाई आदि सब प्रकार के बाजों का शब्द सुनो, तुम उसी समय गिरकर नबूकदनेस्सर राजा की खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत् करो। जो कोई गिरकर दण्डवत् न करेगा वह उसी घड़ी धधकते हुए भट्ठे के बीच में डाल दिया जाएगा।"
दानिय्येल 3: 4-6

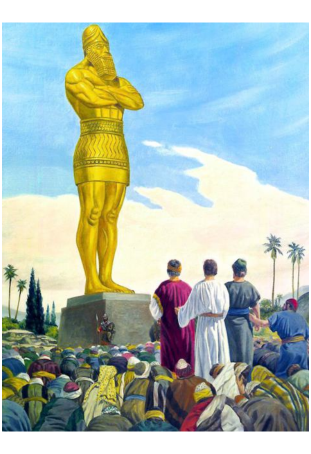

नबूकदनेस्सर के लोगों ने आज्ञा का पालन किया, परन्तु तीन इब्रानी युवा परमेश्वर के प्रति अपने प्रेम में दृढ़ रहे। शद्रक, मेशक, और अबेदनगो क्लेश के शेष लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, क्योंकि उन्होंने नबूकदनेस्सर की सोने की मूरत के आगे झुकने से इनकार कर दिया।

यह मूर्ति प्रकाशितवाक्य 13 की मूरत का एक प्ररूप है, और इसे वचन में 'उजाड़नेवाली घृणित वस्तु' कहा जाता है।

राजा के सेवकों ने युवकों को मूर्ति की पूजा करने से मना करते देखा और इसकी सूचना राजा को दी।

लेकिन देख शद्रक, मेशक, और अबेदनगो नामक कुछ यहूदी पुरुष हैं, जिन्हें तू ने बेबीलोन के प्रान्त के कार्य के ऊपर नियुक्त किया है। उन पुरुषों ने, हे राजा, तेरी आज्ञा की कुछ चिन्ता नहीं की; वे तेरे देवता की उपासना नहीं करते, और जो सोने की मूरत तू ने खड़ी कराई है, उसको दण्डवत् नहीं करते।"

तब नबूकदनेस्सर ने रोष और जलजलाहट में आकर आज्ञा दी कि शद्रक, मेशक और अबेदनगो को लाओ। तब वे पुरुष राजा के सामने हाज़िर किए गए। नबूकदनेस्सर ने उन से पूछा, "हे शद्रक, मेशक और अबेदनगो, तुम लोग जो मेरे देवता की उपासना नहीं करते, और मेरी खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत् नहीं करते, तो क्या तुम जान बूझकर ऐसा करते हो?

दानिय्येल 3: 12-14

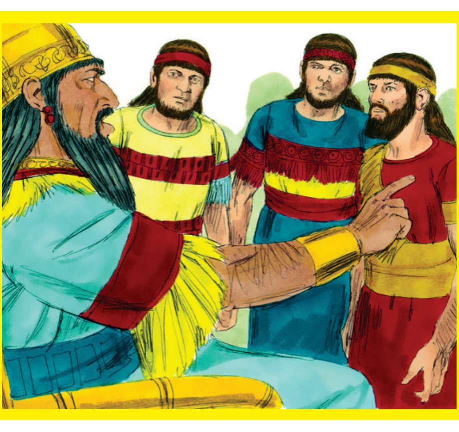

शद्रक, मेशक, और अबेदनगो ने राजा से कहा, "हे नबूकदनेस्सर, इस विषय में तुझे उत्तर देने का हमें कुछ प्रयोजन नहीं जान पड़ता। हमारा परमेश्वर, जिसकी हम उपासना करते हैं वह हम को उस धधकते हुए भट्ठे की आग से बचाने की शक्ति रखता है; वरन् हे राजा, वह हमें तेरे हाथ से भी छुड़ा सकता है। परन्तु यदि नहीं, तो हे राजा, तुझे मालूम हो, कि हम लोग तेरे देवता की उपासना नहीं करेंगे, और न तेरी खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत् करेंगे।"
दानिय्येल 3: 16-18

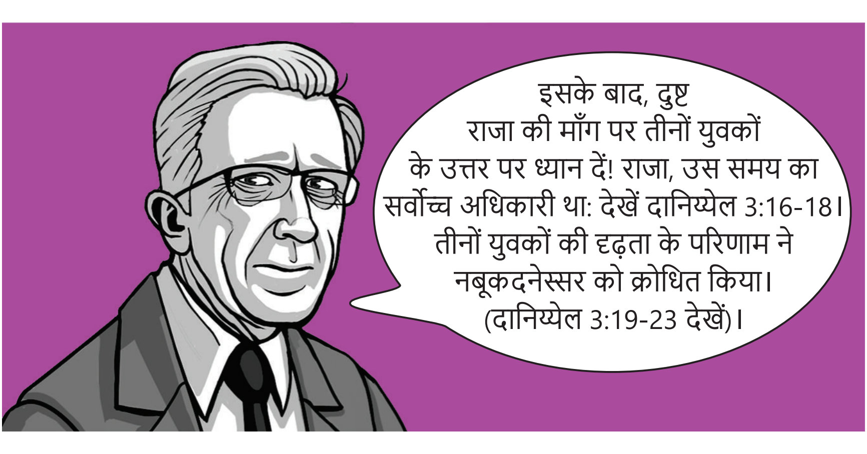
इसके बाद, दुष्ट राजा की माँग पर तीनों युवकों के उत्तर पर ध्यान दें! राजा, उस समय का सर्वोच्च अधिकारी था: देखें दानिय्येल 3:16-18। तीनों युवकों की दृढ़ता के परिणाम ने नबूकदनेस्सर को क्रोधित किया। (दानिय्येल 3:19-23 देखें)।

तब नबूकदनेस्सर झुँझला उठा, और उसके चेहरे का रंग शद्रक, मेशक और अबेदनगो के प्रति बदल गया। उस ने आज्ञा दी कि भट्ठे को सातगुणा अधिक धधका दो। फिर अपनी सेना में के कई एक बलवान पुरुषों को उसने आज्ञा दी, कि शद्रक, मेशक और अबेदनगो को बाँधकर उन्हें धधकते हुए भट्ठे में डाल दो। तब वे पुरुष अपने मोज़ों, अंगरखों, बागों और अन्य वस्त्रों सहित बाँधकर, उस धधकते हुए भट्ठे में डाल दिए गए। वह भट्ठा तो राजा की दृढ़ आज्ञा होने के कारण अत्यन्त धधकाया गया था, इस कारण जिन पुरुषों ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो को उठाया वे ही आग की आँच से जल मरे, और उसी धधकते हुए भट्ठे के बीच ये तीनों पुरुष, शद्रक, मेशक और अबेदनगो, बन्धे हुए फेंक दिए गए। दानिय्येल 3:19-23

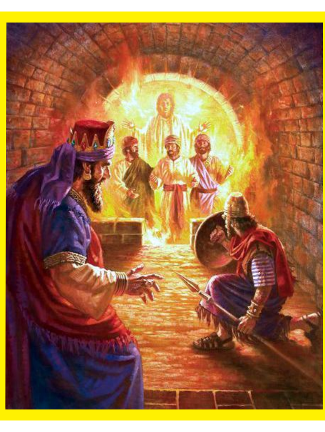

यहोवा उनको भट्ठे में से छुड़ाता है, और उन्हें अति महान किया गया। अब हम फिर से दानिय्येल 3:24-27 की ओर मुड़ते हैं और स्पष्ट तस्वीर देखते हैं। बाइबल स्पष्ट है कि विश्वासी को देश का एक अच्छा और विश्वासयोग्य नागरिक होना चाहिए। लेकिन एक और सच्चाई है: जब देश के कानून परमेश्वर की सेवा के साथ संघर्ष करते हैं, तो हमें सरकार की आज्ञाओं के ऊपर परमेश्वर की इच्छा को रखने में संकोच नहीं करना चाहिए। फिर भी यह सवाल पूछने की जरूरत है कि जब 'पृथ्वी का विश्राम दिवस रविवार' कानून बन जाएगा, तो क्या अवज्ञा होने पर सजा लागू की जाएगी? उस दिन दुनिया किसकी पूजा करेगी; क्या वह उस कानून का बनाने वाला होगा? 7 मार्च 321 ईस्वी को सम्राट कांस्टेनटाइन ने रविवार को श्रम से विश्राम करने का दिन बनाने के लिए एक नागरिक हुक्मनामा जारी किया, जिसमें कहा गया था: "मसीही (सब्त का दिन मना कर) यहूदीकरण नहीं करेंगे और शनिवार को निष्क्रिय रहेंगे... लेकिन उस दिन वे काम करेंगे।"

यह कथन परमेश्वर के नियम के विपरीत है।

तब नबूकदनेस्सर राजा अचम्भित हुआ और घबराकर उठ खड़ा हुआ, और अपने मंत्रियों से पूछने लगा, "क्या हम ने उस आग के बीच तीन ही पुरुष बन्धे हुए नहीं डलवाए?"

उन्होंने राजा को उत्तर दिया, "हाँ राजा, सच बात है।"

फिर उसने कहा, "अब मैं देखता हूँ कि चार पुरुष आग के बीच खुले हुए टहल रहे हैं, और उनको कुछ भी हानि नहीं पहुँची; और चौथे पुरुष का स्वरूप ईश्वर के पुत्र के सदृश है।"

फिर नबूकदनेस्सर उस धधकते हुए भट्ठे के द्वार के पास जाकर कहने लगा, "हे शद्रक, मेशक और अबेदनगो, हे परमप्रधान परमेश्वर के दासो, निकलकर यहाँ आओ!"

यह सुनकर शद्रक, मेशक और अबेदनगो आग के बीच से निकल आए। जब अधिपति, हाकिम, गवर्नर और राजा के मंत्रियों ने, जो इकट्ठे हुए थे, उन पुरुषों की ओर देखा, तब उनकी देह में आग का कुछ भी प्रभाव नहीं पाया; और उनके सिर का एक बाल भी न झुलसा, न उनके मोज़े कुछ बिगड़े, न उन में जलने की कुछ गन्ध पाई गई।

दानिय्येल 3:24-27

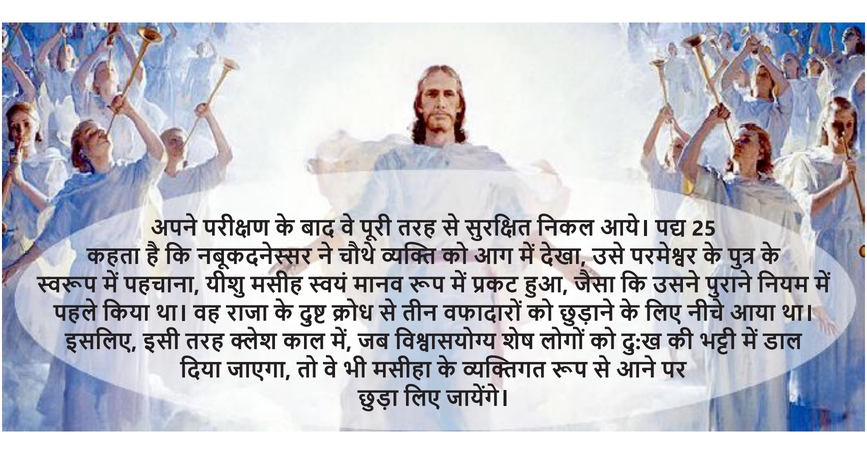

अपने परीक्षण के बाद वे पूरी तरह से सुरक्षित निकल आये। पद्य 25 कहता है कि नबूकदनेस्सर ने चौथे व्यक्ति को आग में देखा, उसे परमेश्वर के पुत्र के स्वरूप में पहचाना, यीशु मसीह स्वयं मानव रूप में प्रकट हुआ, जैसा कि उसने पुराने नियम में पहले किया था। वह राजा के दुष्ट क्रोध से तीन वफादारों को छुड़ाने के लिए नीचे आया था। इसलिए, इसी तरह क्लेश काल में, जब विश्वासयोग्य शेष लोगों को दुःख की भट्टी में डाल दिया जाएगा, तो वे भी मसीहा के व्यक्तिगत रूप से आने पर छुड़ा लिए जायेंगे।

हाथ और पैर बंधे हुए, आग में झोंक दिए गए, लेकिन फिर आज़ाद चल रहे थे। आग से जो प्रभावित हुए, वे वे बंधन थे जिन्होंने उन्हें बाँधे रखा था!

और तुम भी जो मसीह में अपने विश्वास के कारण आग में से होकर गुजर रहे हो, याद रखो कि आग तुम्हें हानि नहीं पहुँचा सकती, परन्तु केवल तुम्हें स्वतंत्र करने और समय आने पर तुम्हें ऊँचा उठाने का काम करेगी।

यह परमेश्वर के सभी लोगों के लिए सच है जो विश्वासयोग्य हैं और जो आने वाले मसीह-विरोधी के सामने झुकने से इनकार करते हैं। परमेश्वर ने हमें क्लेश की आग से बचाने की प्रतिज्ञा नहीं की है, परन्तु उसने संकट में हमारे साथ रहने और हमें विजयी बनाने की प्रतिज्ञा की है। यीशु यूहन्ना 16:33 में कहता है, "मैंने ये बातें तुम से इसलिये कहीं हैं कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैंने संसार को जीत लिया है।"

लेकिन याद रखें कि यीशु ने कहा कि दानिय्येल एक भविष्यद्वक्ता था - उसकी भविष्यद्वाणियाँ भविष्य की घटनाओं से संबंधित थीं

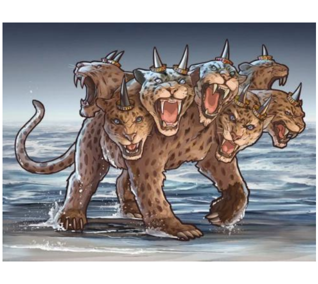

हमने इस निबंध को नबूकदनेस्सर के साथ शुरू किया था जिसमें सभी को उसकी सुनहरी मूर्ति की पूजा करने का निर्देश दिया गया था। कुछ शेष लोगों को छोड़कर, जो ऐसा करने से इनकार करते हैं, हर कोई आज्ञा का पालन करता है।

फिर से इन अंतिम दिनों में हमारे पास एक 'प्ररूप' है, जहाँ शेष लोग रविवार को पूजा करके रोम का पालन करने से इनकार करते हैं, लेकिन सब्त के दिन, आज्ञा के अनुसार, सच्चे परमेश्वर, सृष्टिकर्ता परमेश्वर की आराधना करके विश्वासयोग्य बने रहते हैं। प्रकाशितवाक्य 13 में हम एक और मूरत देखते हैं, सिद्धांत में समान, मसीह-विरोधी द्वारा स्थापित, जिसका नबूकदनेस्सर केवल एक प्ररूप था। एक बार फिर सभी को मृत्यु की पीड़ा पर एक मूर्ति की पूजा करने का निर्देश दिया जाता है। जैसा कि दानिय्येल के दिनों में, एक शेष लोगों का समूह होगा जो इनकार करता है और मृत्यु के लिए चिन्हित किया जाता है, लेकिन चमत्कारिक रूप से प्रभु द्वारा संरक्षित किया जाता है और सहस्राब्दी युग में शासन करने के लिए ऊंचा किया जाता है। दानिय्येल 3 और प्रकाशितवाक्य 13 के समानांतर।

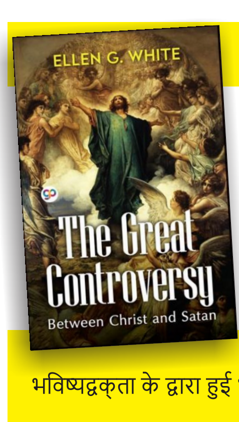

महान विवाद

इस युग के अंत में शैतान एक बार फिर बाबुल के अपने कार्यक्रम को पुनर्जीवित करेगा और प्रकाशितवाक्य 13 के दो पशुओं के निर्देशन में एक विश्व राज्य स्थापित करेगा और एक मूरत स्थापित करके एक विश्व धर्म को लागू करने का प्रयास करेगा और एक बार फिर परमेश्वर के चुने हुओं को नाश करने का प्रयास करेगा, फिर भी शैतान की कठपुतलियों, जैसे फिरौन और नबूकदनेस्सर के समान समाप्त हो जाएगा। यह इंगित करता है कि मनुष्य का इतिहास हमेशा एक बड़ा विवाद रहा है, न कि अलग-अलग घटनाओं का होना। महान विवाद हमेशा मसीह और परमेश्वर के लोगों के विरुद्ध शैतान का संघर्ष रहा है

इसलिये जब तुम उस उजाड़नेवाली घृणितवस्तु को जिसकीचर्चा दानिय्येल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई थी, पवित्रस्थान में खड़ी हुई देखो (जो पढ़े, वह समझे), तब जो यहूदिया में हों वे पहाड़ों पर भाग जाएँ। मत्ती 24:15,16

क्योंकि उस समय ऐसा भारी क्लेश होगा, जैसा जगत के आरम्भ से न अब तक हुआ और न कभी होगा। यदि वे दिन घटाए न जाते तो कोई प्राणी न बचता, परन्तु चुने हुओं के कारण वे दिन घटाए जाएँगे। मत्ती 24:21, 22

क्लेश, याद रखें, दानिय्येल की पुस्तक के अध्याय ९ की भविष्यवाणी की पूर्ति है। यीशु ने इस भयानक समय के बारे में मत्ती 24:15, 16, 21, 22 में बताया।

मत्ती 24 में यीशु उस युग के अंत से संबंधित चेलों के प्रश्न का उत्तर देता है जिसे हम बहुत निकट मानते हैं। याद रखें कि यीशु दानिय्येल को 'दानिय्येल भविष्यद्वक्ता' के रूप में संदर्भित करता है।

उजाड़नेवाली घृणित वस्तु

यीशु दानिय्येल के निम्नलिखित पद्यों का जिक्र करते हुए कहता है कि इस क्लेश काल में दानिय्येल की उजाड़नेवाली घृणित वस्तु की भविष्यवाणी पूरी होगी:

9:27: वह प्रधान एक सप्ताह के लिये बहुतों के संग दृढ़ वाचा बाँधेगा, परन्तु आधे ही सप्ताह के बीतने पर वह मेलबलि और अन्नबलि को बन्द करेगा; और कंगूरे पर उजाड़नेवाली घृणित वस्तुएँ दिखाई देंगी और निश्चय ही ठनी हुई बात के समाप्त होने तक परमेश्वर का क्रोध उजाड़नेवाले पर पड़ा रहेगा।
11:31: तब उसके सहायक खड़े होकर, दृढ़ पवित्रस्थान को अपवित्र करेंगे, और नित्य होमबलि को बन्द करेंगे। वे उस घृणित वस्तु को खड़ा करेंगे जो उजाड़ करा देती है।
12:11: जब से नित्य होमबलि उठाई जाएगी, और वह घिनौनी वस्तु जो उजाड़ करा देती है, स्थापित की जाएगी, तब से बारह सौ नब्बे दिन बीतेंगे।

विश्वासयोग्य शेष लोग

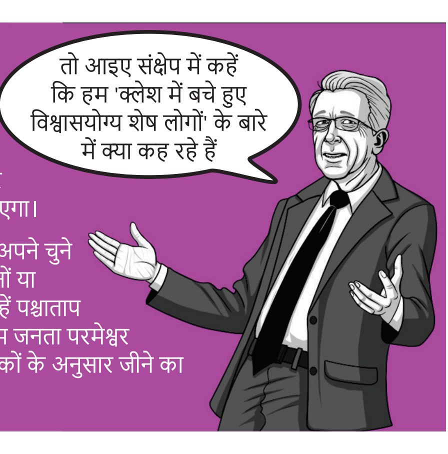
तो आइए संक्षेप में कहें कि हम 'क्लेश में बचे हुए विश्वासयोग्य शेष लोगों' के बारे में क्या कह रहे हैं

परिभाषा: लोगों का एक छोटा सा समूह जो परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य रहेगा और इस लिए बचाया जाएगा।

बाइबल उन कहानियों से भरी हुई है जहाँ परमेश्वर अपने चुने हुए लोगों को उनकी सुरक्षा के लिए खतरनाक स्थानों या विनाशकारी संगतों से बाहर बुलाता है। हालाँकि उन्हें पश्चाताप करने के लिए कई चेतावनियाँ मिली थीं, लेकिन आम जनता परमेश्वर को अस्वीकार करने और अपने स्वयं के स्वार्थी तरीकों के अनुसार जीने का विकल्प चुनती है।

एक प्रसिद्ध शेष लोगों की कहानी विशेष रूप से हम उत्पत्ति 6 में पाते हैं: नूह और उसके जहाज की कहानी। परमेश्वर ने नूह को एक विशाल जहाज बनाने के लिए कहा (उत्पत्ति 6:14) ताकि वह और जो कोई परमेश्वर की चेतावनी पर विश्वास करता है, भयानक जल–प्रलय से सुरक्षित रह सके जो पृथ्वी पर सभी जीवन को मिटा देगा। नूह और उसका परिवार परमेश्वर के सच्चे अनुयायियों के एक विश्वासयोग्य शेष लोग थे।

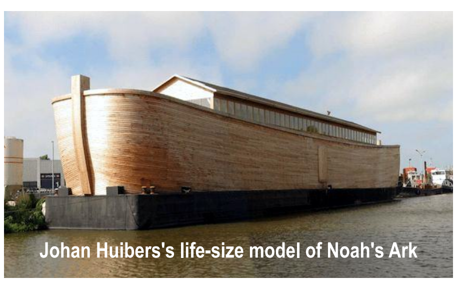
Johan Huibers's life-size model of Noah's Ark

अंत-समय के शेष लोग और कौन इसका हिस्सा होगा: जो इस शेष लोगों का हिस्सा हैं वे पहचानने योग्य हैं जिस तरह से वे हर कीमत पर परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना चुनते हैं, उसके प्रति अपनी निष्ठा की प्रतिज्ञा करते हैं और पाप से दूर हो जाते हैं।

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक भविष्यवाणिय कल्पनाओं से भरी हुई है, जिसमें शाब्दिक घटनाओं के प्रतीक के लिए रूपक पात्रों का उपयोग किया गया है। प्रकाशितवाक्य में, शैतान को एक उग्र अजगर के रूप में चित्रित किया गया है, जबकि परमेश्वर की कलीसिया और उसके लोगों को एक स्त्री द्वारा दर्शाया गया है जिसे अजगर नष्ट करना चाहता है।

तब अजगर स्त्री पर क्रोधित हुआ, और उसकी शेष सन्तान से, जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, लड़ने को गया।...
प्रकाशितवाक्य 12:27

शेष लोगों का विशेष कार्य

अंत के दिनों में कुछ सच्चे विश्वासियों के रूप में, शेष लोगों को एक परमेश्वर प्रदत्त विशेष कार्य सौंपा गया है, एक संदेश जो उन्हें पूरी दुनिया को देना चाहिए। अपने विश्वास को छिपाने के बजाय, उन्हें सुसमाचार साझा करने और दूसरों को यह बताने के लिए नियुक्त किया गया है कि परमेश्वर कौन है और उसने क्या किया है। प्रेरित यूहन्ना इस संदेश के बारे में लिखता है जब वह प्रकाशितवाक्य 14:6-7 में कहता है कि पहला स्वर्गदूत यह समाचार फैलाता है कि परमेश्वर हमारा सृष्टिकर्ता है, वही हमारे उद्धार का एकमात्र स्रोत है, और हमें उसकी आराधना करनी चाहिए।

हमें अन्य स्रोतों से अपने उद्धार की खोज नहीं करनी है या अपने स्वयं के नियमों के अनुसार जीने का प्रयास नहीं करना है

तीन स्वर्गदूतों का संदेश

तीन स्वर्गदूतों के संदेश प्रकाशितवाक्य 14:6-12 में तीन स्वर्गदूतों द्वारा दिए गए संदेशों की व्याख्या हैं।

ये संदेश यीशु मसीह के दूसरे आगमन के लिए दुनिया को तैयार करने के लिए दिए गए हैं, और शेष कलीसिया के विशेष कार्य के एक केंद्रीय भाग के रूप में देखे जाते हैं।

पहले स्वर्गदूत का संदेश

फिर मैं ने एक और स्वर्गदूत को आकाश के बीच में उड़ते हुए देखा, जिसके पास पृथ्वी पर के रहनेवालों की हर एक जाति, और कुल, और भाषा, और लोगों को सुनाने के लिये सनातन सुसमाचार था। ७उसने बड़े शब्द से कहा, "परमेश्वर से डरो, और उसकी महिमा करो, क्योंकि उसके न्याय करने का समय आ पहुँचा है; और उसका भजन करो, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और जल के सोते बनाए।"
प्रकाशितवाक्य 14:6-7

दूसरा स्वर्गदूत पृथ्वी को चेतावनी देता है कि बाबुल, स्वार्थी महत्वाकांक्षा का बाइबल प्रतीक, गिर जाएगा। परमेश्वर का न्याय आ रहा है, और वे सारी सांसारिक चीज़ें जिनके लिए लोगों ने परिश्रम किया है, व्यर्थ होने जा रही हैं। केवल एक चीज जो लोग कर सकते हैं, वह है बाबुल से निकलना और मसीह की ओर मुड़ना, जैसा कि परमेश्वर ने अपने शेष लोगों को करने की आज्ञा दी थी।

दूसरे स्वर्गदूत का संदेश

फिर इसके बाद एक और, दूसरा, स्वर्गदूत यह कहता हुआ आया, "गिर पड़ा, वह बड़ा बेबीलोन गिर पड़ा, जिसने अपने व्यभिचार की कोपमय मदिरा सारी जातियों को पिलाई है।"
प्रकाशितवाक्य 14:8

तीसरे स्वर्गदूत का संदेश

फिर इनके बाद एक और, तीसरा, स्वर्गदूत बड़े शब्द से यह कहता हुआ आया, "जो कोई उस पशु और उसकी मूर्ति की पूजा करे, और अपने माथे या अपने हाथ पर उसकी छाप ले वह परमेश्वर के प्रकोप की निरी मदिरा, जो उसके क्रोध के कटोरे में डाली गई है, पीएगा और पवित्र स्वर्गदूतों के सामने और मेम्ने के सामने आग और गन्धक की पीड़ा में पड़ेगा। उनकी पीड़ा का धुआँ युगानुयुग उठता रहेगा, और जो उस पशु और उसकी मूर्ति की पूजा करते हैं, और जो उसके नाम की छाप लेते हैं, उनको रात दिन चैन न मिलेगा।"
प्रकाशितवाक्य 14:9-12

TRACT © GEORGE ROSS

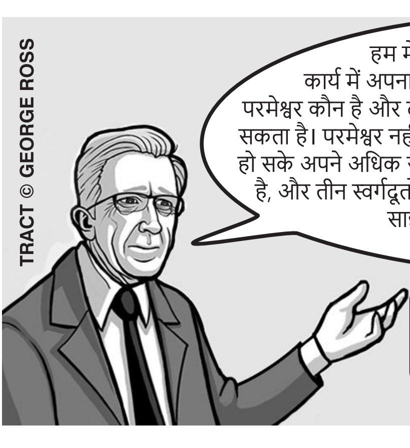
हम में से प्रत्येक शेष कलीसिया के विशेष कार्य में अपना हिस्सा कर सकता है, दूसरों को बताकर कि परमेश्वर कौन है और दूसरे आगमन के लिए तैयार होने में उनकी मदद कर सकता है। परमेश्वर नहीं चाहता कि कोई खो जाए। वह स्वर्ग में जितना संभव हो सके अपने अधिक से अधिक बहुमूल्य बच्चों को अपने साथ रखना चाहता है, और तीन स्वर्गदूतों के संदेशों को फैलाकर और परमेश्वर के वचन को साझा करके, हम ऐसा करने में मदद कर सकते हैं

संपर्क विवरण:
पास्टर वी.पी सिंह
+91 88263 53456 'vpsingh.sda@gmail.com'

www.bibletrakts.com